मोतिया बिंद

मोतिया बिंद यानि आँखोसे धुँधला दिखाई देना ।आँखो की पुतली से प्रकाश भीतर प्रवेश करता है ।सर्वसाधारण रुप से वह स्पष्ट होता है , आँखो के श्वेतपटल पर पिछले हिस्से पर प्रतिबिंबिंत होता है । धुँधली आँखे होने की स्थिती मे प्रकांश भीतर प्रवेश नही कर पाता ।यही कारण है श्वेत पटल पर दबाव की समस्या आती है ,जिसके कारण अस्पष्ट धुँधंला दिख सकता है । मोतियाबिंद एक अथवा दोनो नेत्रों मे हो सकता है।

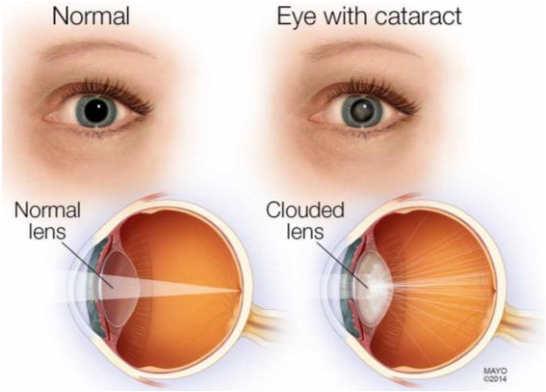

मोतियाबिंद के कारण-

- 65 अथवा उसे अधिक उम्र
- मधुमेह रक्त मे कॅल्शियम प्रमाण की कमी, उच्च रक्तचाप जैसे स्वास्थ रोग होने पर
- आँखो की दुर्घटना अथवा आँखोपर तीव्र प्रकाश किरणे, सुर्यप्रकाश किरणे
- आँखो मे कोई संसर्गजन्य रोग होने पर
- स्टेरॉईडस दवाओं का उपयोग अत्याधिक मद्यपान अथवा धुम्रपान
- भोजन मे जीवनसत्व क्षार तथा प्रोटीन की कमी

मोतियाबिंद के लक्षण-

- अंध्यत्व
- धुँधला अस्पष्ट धब्बे दिखाई देना
- रात्री के समय अथवा तीव्र सुर्यप्रकाश के दोरान वाहन चलाने मे तकलिफ होना ।
- एकही समय दो चीजे दिखाई देना।
- रंगो की पहचान न कर पाना ।

ईलाज का माध्यम-

- दृष्टी कर अचुकता की जाँच- नेत्रों का दबाव एवं नेत्रो के हालचाल की जाँच की जाती है।
- आप्थाल्मोस्कोपी- के माध्यम से नेत्रो के भीतरी हिस्से की जाँच की जाती है नेत्रो का आकार बडा करने के लिए दवा बूँदो का उपयोग किया जाता है ।
- स्प्लीट लँप टेस्ट- अतिशय तीव्र प्रकाश आँखो मे डालकर सूक्ष्मदर्शक से नेत्रों की जाँच की जाती है।

मोतियाबिंद का उपचार-

- चष्मा अथवा कॉन्टॅक्ट लेन्स वापरना।
- शल्यक्रिया-शल्यक्रिया कर मोतियाबिंद निकाला जा सकता है आँखो मे कृत्रिम लेन्स लगाकर खराब हो चुके लेन्स को हटाया जा सकता है।

रुग्ण समुपदेशन-

- तीव्र सुर्यप्रकाश से संरक्षण हेतु अथवा आँखो के तकलिफ से बचाने के लिए गॉगल्स का प्रयोग करना चाहिए।
- यह सुनिश्चित करे की गॉगल्स यूवी किरणों से सुरक्षित रखने की क्षमता रखता है।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0